ग्रामाभ्युदयादेव देशाभ्युदयः
गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
कृषि मौसम विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय
पन्तनगर–263145 उधम सिंह नगर (उत्तराखण्ड)
फोन नम्बरः 05944–233032

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा बुलेटिन, जनपद – उधम सिंह नगर

उपमहानिदेशक (कृषि मौसम विज्ञान), भारत मौसम विज्ञान विभाग, पुणे निदेशक, मौसम केन्द्र, देहरादून

वर्षः 27 अंकः 44 बुलेटिन अवधिः 06–10 जून, 2018 दिनः मंगलवार दिनाँकः 05 जून, 2018

मौसम पूर्वानुमानः

भारत सरकार के **पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय** द्वारा वित्त पोषित एवं **भारत मौसम विज्ञान विभाग** द्वारा संचालित ग्रामीण कृषि मौसम सेवा परियोजना के अन्तर्गत **राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र, भारत मौसम विज्ञान विभाग, मौसम भवन, नई दिल्ली** द्वारा पूर्वानुमानित तथा **मौसम केन्द्र, देहरादून** द्वारा संसोधित पूर्वानुमानित मध्यम अवधि मौसम आँकड़ों के आधार पर कृषि मौसम विज्ञान विभाग में स्थित कृषि मौसम विज्ञान प्रक्षेत्र इकाई (AMFU), गो0 ब0 पन्त कृषि एवं प्रौद्यो0 विश्वविद्यालय, पन्तनगर द्वारा **उधम सिंह नगर एवं नैनीताल जिलों के मैदानी क्षेत्रों में अगले पाँच दिनों** में निम्न मौसम रहने की संभावना व्यक्त की जाती है :–

पूर्वानुमानित मौसम तत्व	मौसम पूर्वानुमान – उधम सिंह नगर				
	06/06/2018	**07/06/2018**	**08/06/2018**	**09/06/2018**	**10/06/2018**
वर्षा (मिमी0)	10	7	8	10	20
अधिकतम तापमान (डिग्री से.ग्रे.)	36	35	34	33	32
न्यूनतम तापमान (डिग्री से.ग्रे.)	26	25	24	23	22
बादल आच्छादन	घने बादल	घने बादल	घने बादल	घने बादल	पूर्ण आच्छादात्
अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता (प्रतिशत)	85	90	90	90	95
न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता (प्रतिशत)	40	45	45	45	50
वायु की औसत गति (कि0मी0 प्रतिघंटा)	006	006	008	004	008
वायु की दिशा	दक्षिण–पूर्व	पूर्व–दक्षिण–पूर्व	पूर्व–दक्षिण–पूर्व	दक्षिण–पूर्व	दक्षिण–पूर्व

गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विष्वविद्यालय, पन्तनगर स्थित कृषि मौसम विज्ञान वेधषाला (समुद्रतल से ऊँचाई–243.8 मीटर) के प्रेक्षणानुसार विगत सात दिनों (29 मई से 04 जून2018 सुबह 8:30 तक) में आसमान में आंशिक से मध्यम बादल छाये रहे। अधिकतम तापमान 30.5 से 39.5 डि0से0 एवं न्यूनतम तापमान 17.5 से 26.4 डि0से0 के बीच रहा तथा वायु में सुबह 0712 बजे सापेक्षित आर्द्रता 59 से 82 प्रतिशत व दोपहर 1412 बजे सापेक्षित आर्द्रता 44 से 68 प्रतिशत एवं हवा 7.9 से 14.0 कि0मी0 प्रति घंटा की गति से मुख्यतः पूर्व–दक्षिण–पूर्व दिशा से चली।

ऐसे अनुमानित मौसम में गो0ब0 पन्त कृषि एवं प्रौद्यो0 विश्वविद्यालय, पन्तनगर के वैज्ञानिकों द्वारा इस क्षेत्र के कृषक भाइयों को सलाह दी जाती है कि इस मौसम में विभिन्न फसलों के लिए खेतों में निम्नानुसार कार्यक्रम अपनायें।

कृषि मौसम परामर्श

फसल प्रबन्धः

- ❖ धान की नर्सरी डाले।
- ❖ धान की मध्यम अवधि में पकने वाली किस्मो – नरेन्द्र–359, पंत धान–18 एच0के0आर0–147, पी0आर0–113 आदि की नर्सरी 10 जून तक अवश्य डाल दे।
- ❖ नर्सरी हेतु प्रमाणित बीज अथवा स्वस्थ स्वंय उत्पादित बीज उपचार के बाद प्रयोग करना चाहिए।
- ❖ बीज दर 30, 35 एवं 40 कि0ग्रा0/है0 क्रमशः पतला, मध्यम मोटा एवं मोटा प्रजातियों हेतु उपयोग करें।
- ❖ रबी फसलो की कटाई के बाद खाली हुए खेतो से मृदा परीक्षण हेतु मिट्टी का नमूना लें।
- ❖ बसंन्तकालीन एवं गेहूॅ की कटाई के बाद बोए गये गन्ने में सिचाई एवं गुड़ाई करे तथा यूरिया की टॉप ड्रेसिंग रह गई हो तो सिचाई उपरान्त यूरिया की टॉप ड्रेसिंग करे।
- ❖ पेड़ी गन्ने में 25 प्रतिशत अधिक यूरिया की टॉप ड्रेसिंग करे। गन्ने में दिये जाने वाले सभी नाइट्रोजन की मात्रा जून माह तक अवश्य डाल दें। वर्षाकाल में देर से नाइट्रोजन का प्रयोग करने से उसका अधिकांश भाग नष्ट हो जाता है तथा आपेक्षित लाभ नहीं मिलता है।
- ❖ लोबिया व फ्रासबीन मे जड़ एवं तना गलन रोग की रोकथाम हेतु कार्बन्डाजिम 1 ग्राम/ली0 पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करे।

उद्यान प्रबन्धः

- ❖ आम मे बैक्टीरियल कैंकर की संम्भावना होने पर 200 पी पी एम स्ट्रैप्टोसाइकलिन (200 मिलीग्राम/लीटर) का छिड़काव करें।
- ❖ आम के बाग में डांसी मक्खी के लिए काष्ठ निर्मित यौन गंध ट्रैप को पेड़ पर लगाना चाहिए (10 ट्रैप/है0)। यौन गंध ट्रैप को दो माह में बदल देना चाहिए।
- ❖ कोयलिया और आन्तरिक विगलन के नियंत्रण के लिए 1.0 प्रतिशत (10 ग्रा0/ली0) बोरेक्स का छिड़काव करना चाहिए।
- ❖ आवश्यकतानुसार उचित नमी बनाये रखने हेतु सिंचाई करते रहे।
- ❖ आम की फसल में चूर्णि फॅफूदी की नियत्रंण हेतु कार्बनडाजिम का 0.1 प्रतिशत का घोल का छिड़काव करें।
- ❖ कद्दू वर्गीय सब्जियो मे पत्तियो पर अनियमित आकार के चित्तकबरे धब्बे दिखाई देने पर मैनकोजेब 2.5 ग्रा0 प्रति ली0 पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करे।
- ❖ प्याज मे पत्ती झुलसा रोग के नियंत्रण हेतु टेबुकोनाजोल या डिफिनोकोनाजोल या प्रोपीकोनाजोल का 500 मिली0 प्रति है0 की दर से किसी सर्वांगी कीटनाशी का स्टीकर के साथ मिलाकर छिड़काव करे।
- ❖ टमाटर व मिर्च की फसल मे सिकुड़े हुए चित्तकबरे पत्ते दिखाई देने पर ग्रसित पौधो को निकालकर नष्ट करे। तथा रस चूसने वाले कीड़ो के नियत्रंण हेतु सर्वागीं कीटनाशी का छिड़काव करें। पछेती झुलसा रोग के प्रकोप से बचाव हेतु मैनकोजेब 2.5 ग्रा0/ली0 या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्रा0 प्रति ली0 पानी की दर से घोल बनाकर छिडकाव करे।

पशुपालन प्रबन्धः

- ❖ नाइट्रेट विषाक्तता होने पर पशु की श्वसन एवं नाड़ी दर बढ़ जाती है एवं सांस लेने में कठिनाई, मॉसपेशियों में ऐंठन व कमजोरी आ जाती है। इससे बचाव हेतु मेथिलीन ब्लू के 1 प्रतिशत विलयन की 50–100 मि0ली0 मात्रा सीधे ही नस में देना चाहिए।
- ❖ सायनाइड ग्रस्त चारा खाए हुए पशु को पानी नही पिलाना चाहिए तथा चारागाहो में चराने ले गये पशुओ को कम बढ़ी हुई ज्वार, बाजरा, चरी की फसल न खाने दे।
- ❖ छोटे मुर्झाये हुए पीले व सुखकर ऐठे हुए पौधो को चारे के रूप में उपयोग नही करे।
- ❖ गर्मी के मौसम में पशुशाला के आसपास की नालियो में मेलाथियॉन अथवा अन्य कीटनाशक दवाइयो8 का छिड़काव समय समय पर कराते रहे।
- ❖ विदेशी गायें अधिक गर्मी सहन नही कर पाती जिससे उनके आहार ग्रहण करने की क्षमता में कमी आ जाती है। और उनका उत्पादन प्रभावित होता है। अतः विदेशी गायो का उत्पादन बनाये रखने तथा बीमारियो से बचाव हेतु गौशाला के अन्दर तापमान नियंत्रण हेतू शीतल यंत्र जैसे पंखा, कूलर अथवा आधुनिकतम शीतल यंत्र की व्यवस्था करे।

- अगर पशु लू के प्रकोप का शिकार हो जाए तो पास के पशु चिकित्सक से मिलकर उसका तुरन्त उपचार करायें।
- पशुओं को स्वच्छ, ताजा एवं ठंडा जल दिन में तीन बार (सुबह, दोपहर, शाम) पिलाना चाहिए। यदि पशु के शरीर में पर्याप्त मात्रा में पानी मौजूद हो तो उसकी चमड़ी के तापमान एवं मौसम के तापमान में सामंजस्य बना रहता है एवं पशु को लू भी नहीं लगती।
- गर्मी से बचाने हेतु पशुओं को संतुलित आहार जिसमें सभी पोषक तत्व प्रोटीन, वसा, कार्बोहाइड्रेट, खनिज लवण तथा विटामिन्स उचित मात्रा एवं उचित अनुपात में उपस्थित हों, देवें। सूखे चारे के साथ हरा चारा एवं दाना अवश्य दें।

डा0 आर0 के0 सिंह
प्राध्यापक एवं प्रिंसिपल नोडल अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा,
गो.ब. पन्त कृषि एवं प्रौद्यो. विष्वविद्यालय, पन्तनगर